an>

Title: Need to undertake adequate relief measures in drought-hit districts of Uttar Pradesh.

श्री राम चरित्र निषाद (मछलीशहर)ः हमारा देश इस समय भयंकर सूखे और पेयजल की समस्याओं का सामना कर रहा है और दो वर्षों से मानसून के विफल होने के कारण देश का एक बड़ा भू-भाग सूखे से प्रभावित हुआ है। हमारा देश कृषि प्रधान देश है, जो मानसून पर बहुत अधिक निर्भर है। लगातार सूखे के चलते फसलों की बर्बादी होने तथा जल की अत्यधिक कमी के कारण देश के अधिकांश भागों विशेषकर ग्रामीण क्षेत्र का जीवन दयनीय हो गया है। वर्ष 2015-16 में देश के दस राज्यों के 251 जिलों को सूखाग्रस्त घोषित किया गया था, वहीं 2014-15 में पांच राज्यों के 107 जिलों को सूखा प्रभावित घोषित किया गया था। सूखा घोषित किये हुये राज्यों में मेरे संसदीय क्षेत्र मछलीशहर सहित उत्तर प्रदेश भी अछूता नहीं है। पूरे उत्तर प्रदेश के संत रविदास नगर, सोनभद्र, सुल्तानपुर, मिर्जापुर, बलिया, सिद्धार्थनगर, शाहजहाँपुर, बाँदा, प्रतापगढ़, चंदौली, इटावा, बस्ती, बागपत, जौनपुर, फैजाबाद, गोण्डा, कन्नौज, संत कबीरनगर, झांसी, जालौन, गौरखपुर, हाथरस, एटा, इलाहाबाद, गाजियाबाद, फर्रूखाबाद, मऊ, उन्नाव, रामपुर, हमीरपुर, ललितपुर, चित्रकूट, कानपुर नगर, लखनऊ, देवरिया, मैनपुरी, महाराजगंज, आगरा, औरैया, पीलीभीत, अमेठी, महोबा, रायबरेली, कुशीनगर, कानपुर देहात, कौशाम्बी, फतेहपुर, अंबेडकरनगर और बलरामपुर सूखा की चपेट में है। यहाँ की हालत बहुत ही दयनीय है।

मेरा केन्द्र सरकार से आग्रह है कि शीघ्रातिशीघ्र उत्तर प्रदेश के सूखाग्रस्त जिलों में राहत प्रदान करने हेतु आवश्यक कदम उठाए जाएं।